The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

16 SEP 2021
रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में इंजीनियर्स दिवस समारोह में छात्रों ने कामकाजी मॉडल का प्रदर्शन किया

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय,झारखंड में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इंजीनियर दिवस मनाया गया। डॉ राणा सुभासिस चक्रवर्ती, निदेशक विपणन और निदेशक (उत्पादन- अतिरिक्त प्रभार), हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) लिमिटेड समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। विश्वविद्यालय के छात्रों ने कचरा-से-ऊर्जा, रॉकेट लॉन्चर, भूमिगत कोयला खदान आदि क्षेत्रों में कार्यरत इंजीनियरिंग मॉडल का प्रदर्शन किया और इंजीनियर्स दिवस की थीम पर उनके द्वारा डिजाइन किए गए पोस्टर प्रदर्शित किए। साथ ही कुछ छात्रों ने "कैसे कोविद-19 महामारी के दौरान प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से तैनात किया गया" पर बात की एवं सामान्य विज्ञान पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा, आज हम भारत रत्न एम विश्वेश्वरैया को औद्योगिकीकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि देते हैं। एक दूरदर्शी इंजीनियर और नेता के रूप में, कई सिंचाई परियोजनाओं के डिजाइन के अलावा, उन्होंने मैसूर साबुन फैक्ट्री, बैंगलोर कृषि विश्वविद्यालय और स्टेट बैंक ऑफ मैसूर आदि जैसे महान संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी को लागू करने से पहले भारत में स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन करने का उनका स्पष्ट आह्वान आज भी प्रासंगिक है। प्रो राव ने कहा की "हम सभी को अपने दैनिक जीवन में कड़ी मेहनत, कर्तव्य की भावना और चरित्र के उनके जीवन संदेशों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।"

छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. राणा सुभासिस चक्रवर्ती ने पोस्टर, इंजीनियरिंग मॉडल और विषय पर भाषणों के माध्यम से छात्रों द्वारा प्रदर्शित प्रभावशाली प्रतिभा पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कैसे एचईसी इसरो जैसे संगठनों को महत्वपूर्ण उपकरण उपलब्ध कराकर राष्ट्र निर्माण में मदद कर रहा है। श्री राणा सुभासिस चक्रवर्ती ने कहा "इस कोविद महामारी के दौरान, व्यक्तियों के साथ-साथ संगठनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सकारात्मक सोच ही अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करने का एकमात्र तरीका है

प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष 3 छात्रों को मान्यता के पुरस्कार दिए गए। पोस्टर मेकिंग में पुरस्कार प्राप्त करने वाले टॉपर्स में श्री श्रवण कुमार (डीआईटी) को जियो-थर्मल एनर्जी पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार, श्री शोबित (एमबीए) को दूसरा पुरस्कार और तीसरे पुरस्कार के लिए श्री फातमा जन्नत (बीबीएएलबी) शामिल हैं। वर्किंग मॉडल प्रदर्शन में, श्री अमन श्रेष्ठ (डीआईटी) ने भूमिगत कोयला खदान मॉडल पर सिमुलेशन मॉडल के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, श्री बासुदेव ओराव ने दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया और श्री आकाश कुमार (बी.टेक) ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में सुश्री सिद्धि बोरा (एमबीए), सुश्री रिया सिन्हा (बीबीए) और इंद्राणी रॉय (एमबीए) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार श्री पीयूष प्रकाश (बीबीए) को जाता है, और दूसरा और तीसरा पुरस्कार क्रमशः श्री शुभम सिंह (बीसीए) और श्री अनिकेत हर्ष (बीसीए) को जाता है।

विवि के एचओडी ने भी छात्रों को संबोधित किया। डॉ. पूजा हंसदा, फैकल्टी माइनिंग इंजीनियरिंग ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुलसचिव प्रो अरविन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

==========